Date

S.No	Date	Tittle	P.g.No	Teacher Sign/Remark
1.		पठन /वाचन कौशल का अर्थ		
2.		वाचन कौशल को ग्रहण करने की विधियाँ		
3.		लेखन का तरीका)		
4.		लेखन के उद्देश्य		
5.		श्रुतलेख, अनुलेख		
6.		सीखने की प्रक्रिया में बाधा		
7.		पाठ्यपुस्तक, व्याख्या व सामग्री		
8.		पाठ्य लेखन क्रम		

Topic Date

UNIT-I

पठन भाषा कौशल के रूप मे

भाषा :- भाषा एक ऐसी योग्यता है। विशेषकर मानवीय योग्यता जिसके द्वारा वह संचार की जटिल प्रणाली प्रणाली को ग्रहण कर इनका प्रयोग करता है। भाषा एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने विचारो संवेगो भावनाओ और दृष्टिकोण का आदान प्रदान करते हैं। भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन को भाषा विज्ञान कहा जाता है। किसी भाषा को सीखने के लिए उसकी चार मौलिक कौशलो पर महारत की आवश्यकता होता है।

भाषा के चार बुनियादी कौशल :→

एक परिभाषा के अनुसार "भाषा एक प्रतीको की प्रवृत्ति प्रणाली है जो लोगो को संवाद या अंत: क्रिया करने की अनुमति नही देती है। इन प्रतीको मे मौखिक व लिखित रूप इशारे और शारीरिक भाषा भी शामिल है। इसके चार मूलभूत भाषायी कौशल सुनना, बोलना पढना व लिखना।

अपने शिक्षण मे आपको इन सभी कौशलो मे सिखाना होगा। लोग आमतौर पर इन चार कौशलो को निम्न क्रम मे सीखते है।

श्रवण :- जब कोई मनुष्य कोई नई भाषा सीखता है तो वह इसे सुनता है।

कथन :- श्रवण के नतीजन वे जो कुछ सुना है। उसे दोहराने की कोशिश करते है।

पठन :- फिर वे लिखित प्रतीको के माध्यम से बोली जाने वाली भाषा को देखते है।

लेखन :- अतः वे कागजो पर इन प्रतीको को पुनः उत्पन्न करते है।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

भाषायी कौशलो का महत्व :-

भाषा आपके अधिगम की धुरी है। इसके बिना आप किसी विषय को समझ कर संवाद नही कर सकते है। इसे अपनी भाषायी कौशलो के विकास की जरूरत है।

- अपनी विषय सामग्री को समझकर उसको प्रभावशाली ढंग से प्रयोग कर सके।
- अपने विषय से सम्बन्धित विशिष्ट शब्दकोष और भाषा का विकास करे।
- प्रदत्त कार्य के लिए प्रासंगिक सवाल व सामग्री का चयन करना।
- साहित्यिक चोरी के बिना प्रस्तुत आसाइनमेंट्स को अच्छे व संरचित ढंग से लिखना।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

प्रवाह महता (Fluency)

पठन कौशल :- पठन लिखित रूप मे ग्रहण या सीखने सम्बंधी कौशल है। यह श्रवण और कथन कौशलो का इनके साथ ही विकसित होता है। विशेषकर एक अत्याधिक विकसित साहित्यिक परम्परा वाले समाज मे पठन शब्द कोष निर्माण मे सहायक है। जो बाद मे चरणों मे विशेषकर समझ के साथ सुनने मे मदद करता है। परम्परागत रूप मे एक भाषा सीखने का उद्देश्य उस भाषा मे लिखे साहित्य को समझना है। भाषा के अनुदेशन पठन सामग्री पारम्परिक रूप मे साहित्य के उच्च रूपो को प्रतिनिधित्व करके चुना गया है। निचले स्तर के अधिगम कर्त्ता लेखको और शिक्षको द्वारा बताये गये वाक्यो और पैराग्राफ को पढते है। जबकि ऊपरी स्तर के अधिगम कर्त्ता अपनी आवश्यकतानुसार भाषायी कौशलो का विकास करते है।

भाषा शिक्षण मे संप्रेषणीय उपागम ने प्रशिक्षको की भूमिका पठन कौशल के द्वारा विभिन्न प्रकार की पाठ्य सामग्रियों को समझाने [illegible] विस्थापितता की है। जब अनुदेशन का उद्देश्य संप्रेषणीय सक्षमता है। जैसे :- ट्रेन अनुसुचियाँ, अखबारो मे लेख और यात्रा व पर्यटन की वेबसाइट की सूची इत्यादि, तब से मे कक्षा-कक्ष सामग्री बन गई है।

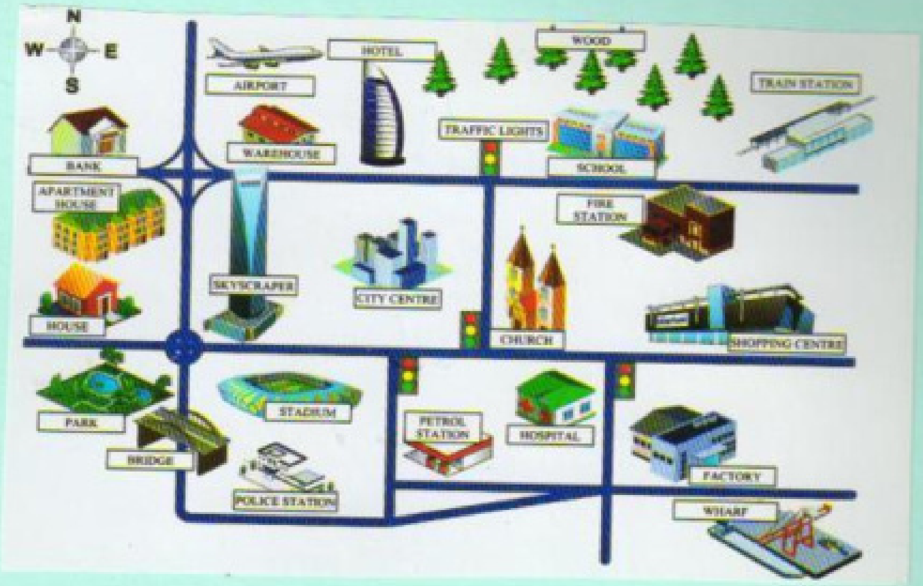
N
W
E
S
AIRPORT
HOTEL
WOOD
TRAIN STATION
BANK
WAREHOUSE
TRAFFIC LIGHTS
SCHOOL
APARTMENT HOUSE
FIRE STATION
SKYSCRAPER
CITY CENTRE
HOUSE
CHURCH
SHOPPING CENTRE
PARK
STADIUM
PETROL STATION
HOSPITAL
BRIDGE
FACTORY
POLICE STATION
WHARF

पठन (सामग्री) एक उद्देश्य सहित गति विधि है। एक व्यक्ति जानकारी हासिल करने या मौजूदा ज्ञान को सत्यापित करने या किसी लेखक के विचारो या लेखक शैली की आलोचना करने के लिए पढ़ सकते है।

पाठको की चयन ग्रंथो की मार्गदर्शिका के उद्देश्य :-

पढने के उद्देश्य पढने की समझ के लिए उचित उपागम का निर्धारण करते है। एक व्यक्ति जो आनन्द के लिए कविता पढ़ रहा है इसके लिए जरूरी है ये वो जाने "कि कवि ने किन शब्दो का प्रयोग किया है।

पठन कौशल का अर्जन :-

पढने के लिए सीखना पठन के लिए आवश्यक कौशलो को अर्जित करना है। मुद्रित प्रतीको से अर्थ समझने की योग्यता।

आमतौर पर पठन प्रक्रिया आरम्भ होने से पहले ही संज्ञानात्मक भाषाई व सामाजिक कौशल विकसित हो चुके होते है।

एक बच्चे की पढने की योग्यता पठन तत्परता कहलाती है जो बचपन मे शुरु होती है। क्योकि बालक अपने वातावरण से कथन संकेतो को समझकर बोलना शुरु कर देता है। बच्चो को वे सभी सामग्री - धारणा सकलपना और शब्द जो उसके सम्पर्क मे आती एक बच्चा अपने देखभाल कर्त्ता के पास बैठा चित्रो को देखना है तब वह धीरे-धीरे उन संकेतो और शब्दो को पहचानना शुरु कर देता है।

Improve your vocabulary

English advice

Topic ______ Date ______

पठन कौशल मे सुधार लाने मे सहायक तकनीके

कुशल पठन के लिए जरूरी नही कि ध्वीनगत जागरूकता हो। लेकिन भाषण के लिए अलग अलग भागो की जागरूकता अति आवश्यक है।

शब्दाबली :- पठन की समझ का एक महत्त्वपूर्ण पहलू शब्दावली का विकास है। जब पाठक एक अपरिचित लिखित शब्द को पढता है। और उसका उच्चारण करता है। तब वह इसे समझेगा।

पठन समझ :- पठन की समझ एक जटिल संज्ञानात्मक प्रक्रिया है। जिसमे पाठक जान-बूझकर और सहभागिता पूर्ण विषय वस्तु से अनुक्रिया करता है।

लिखने का विकास :- वर्तनी भाषा मे प्रयुक्त प्रतीको का एक समूह है। जिसमे इनु प्रतीको को लिखने के नियम भी शामिल है। कुशल पठन के लिए बच्चे को भाषा के तत्व जैसे: अक्षर, शब्द, विराम जोर या बल व विराम चिह्नो इत्यादि से समझना आवश्यक है।

ड्रिल और अभ्यास :- ड्रिल और अभ्यास भाषा की किसी भी मूलभूत कौशल को समझने मे सबसे प्रतिष्ठित कारको मे से एक है।

मुद्रित शब्दो के बार-बार अभ्यास से पठन के कई पहलु विकसित होते है।

प्रवाह :- यह मौखिक रूप से गति सटीकता और मौखिक अभिव्यक्ति के साथ पढने की क्षमता है। धारा प्रवाह पढने के लिए आवश्यक तत्वो मे से एक है।

Topic Date

आख्यान

आख्यान शब्द लैटिन भाषा के Naxori से निकला है। जिसका अर्थ है बताना। एक आख्यान किसी घटना क्रम से जुड़ी रिपोर्ट वास्तविकता या कल्पनिकता होती है। जो स्थिर या चलती ध्वनियो या लिखित या मौखिक रूप मे समृद्ध होती है। यह कई वर्ग मे विभाजित होता है।

ज्यादातर लोगो के बचपनो के दौरान, आख्यान उन्हे उचित व्यवहार सांस्कृतिक इतिहास साम्प्रादियक पहचान बनाने उचित मूल्यो के निर्माण मे मार्गदर्शन करता है। अधिक सीमित तौर पर इसे तरीके के रूप मे परिभाषित किया जा सकता है।

आख्यान पढना काफी चुनौती पूर्ण हो सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि आख्यान के बारीकी से पठन अनापेक्षित विवरणो को ध्यान से देखे छिपी हुई भावनाओ और अर्थो को ध्यान से समझें।

आख्यान पढ़कर अक्सर प्रतिभावली रूप को और प्रतीको के माध्यम से कल्पनाशील भाषा का प्रयोग करके संवेगो की अभिव्यक्ति कर कहानी सुनाता है। क्योकि कहानियाँ कई महत्त्वपूर्ण उद्देश्यो के लिए प्रयुक्त होती है। छात्र जब आख्यान पढते है। तब उन्हे हताशा दूर करने और कथा ढाँचे को समझने की आवश्यकता है जब छात्र कथा तत्वो को जानते है।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

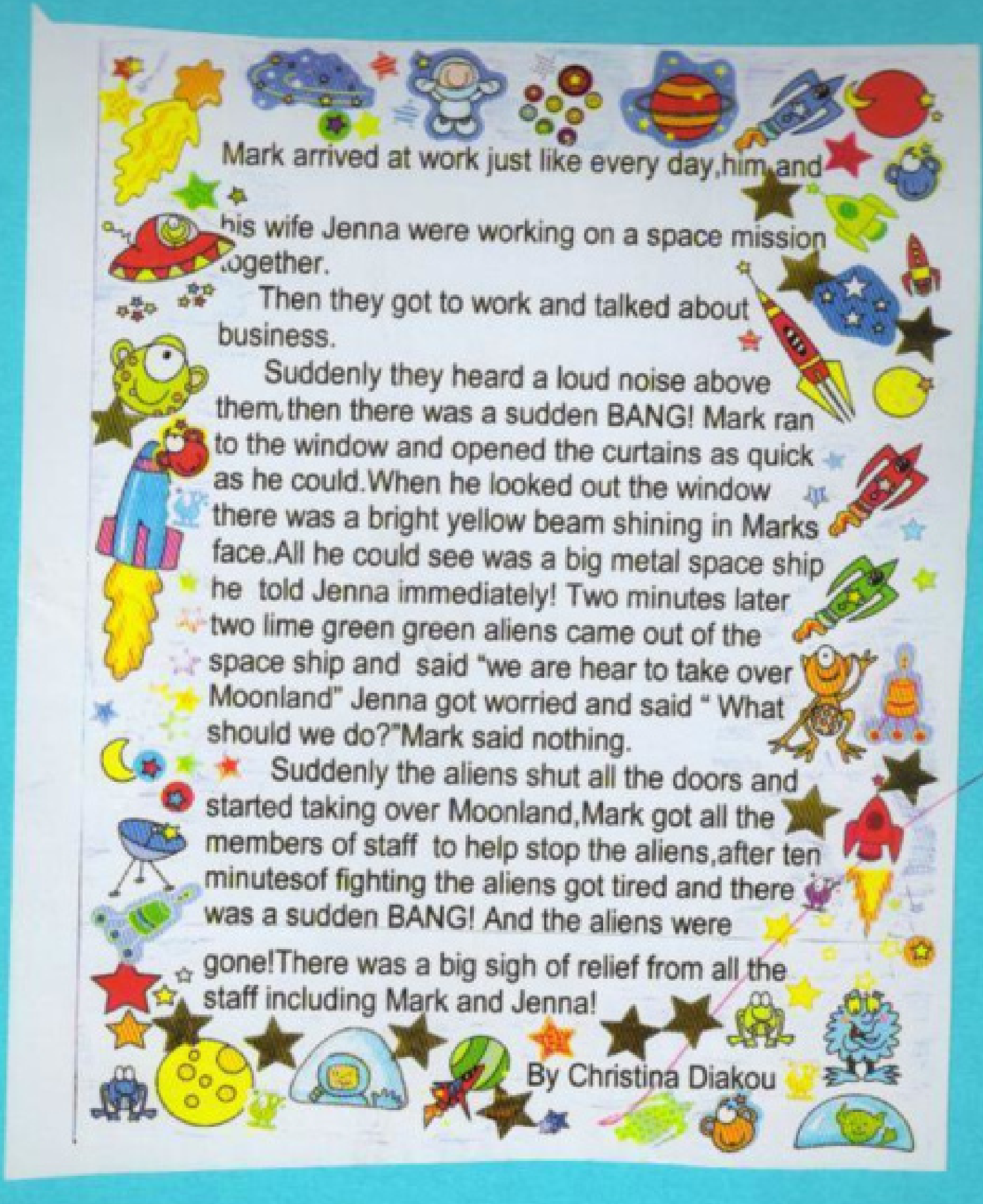

Mark arrived at work just like every day,him and his wife Jenna were working on a space mission together.

Then they got to work and talked about business.

Suddenly they heard a loud noise above them,then there was a sudden BANG! Mark ran to the window and opened the curtains as quick as he could.When he looked out the window there was a bright yellow beam shining in Marks face.All he could see was a big metal space ship he told Jenna immediately! Two minutes later two lime green green aliens came out of the space ship and said “we are hear to take over Moonland” Jenna got worried and said “ What should we do?”Mark said nothing.

Suddenly the aliens shut all the doors and started taking over Moonland,Mark got all the members of staff to help stop the aliens,after ten minutesof fighting the aliens got tired and there was a sudden BANG! And the aliens were gone!There was a big sigh of relief from all the staff including Mark and Jenna!

By Christina Diakou

जब छात्र कथा तत्वो को जानते है। तब वे आसानी से कहानी का पालन कर सकते है। इसके अलावा इन तत्वो को समझना स्तरीय रूप से अद्वितीय है।

आख्यान पढ़ने के उद्देश्य ÷

1. छात्रो को अपने वास्तविक अनुभवो के बारे मे निजी लिखने लिखने मे सक्षम बनाना।
2. छात्रो को छोटे-छोटे क्षणो पर ध्यान केन्द्रित कर उनका दृश्यो मे वर्णन करने योग्य बनाना।
3. छात्रो को अच्छी शुरुआत और चिंतनशील अंत लिखने सक्षम बनाना।
4. छात्रो मे दूसरे लेखको की तकनीको को अपने लेखनो मे उपयोग करने मे पारंगत करना।
5. छात्रो को प्रभावी आख्यान अंत लिखने मे योग्य बनाना।

वार्तालाप ÷

बातचीत दो या दो से अधिक लोगो के बीच अंतः क्रिया सहज संचार का रूप है। आमतौर पर यह मौखिक संप्रेषण मे घटित होता है। क्योकि लिखित आदान प्रदान को आमतौर पर वार्तालाप नही कहा जा सकता है वार्तालाप कौशल और शिष्टाचार का विकास समाजीकरण का एक महत्तवपूर्ण हिस्सा है। जो संवादी बातचीत का ध्यान देते हुए मानवीय अंतः क्रिया की संरचना व संगठन का अध्ययन करता है।

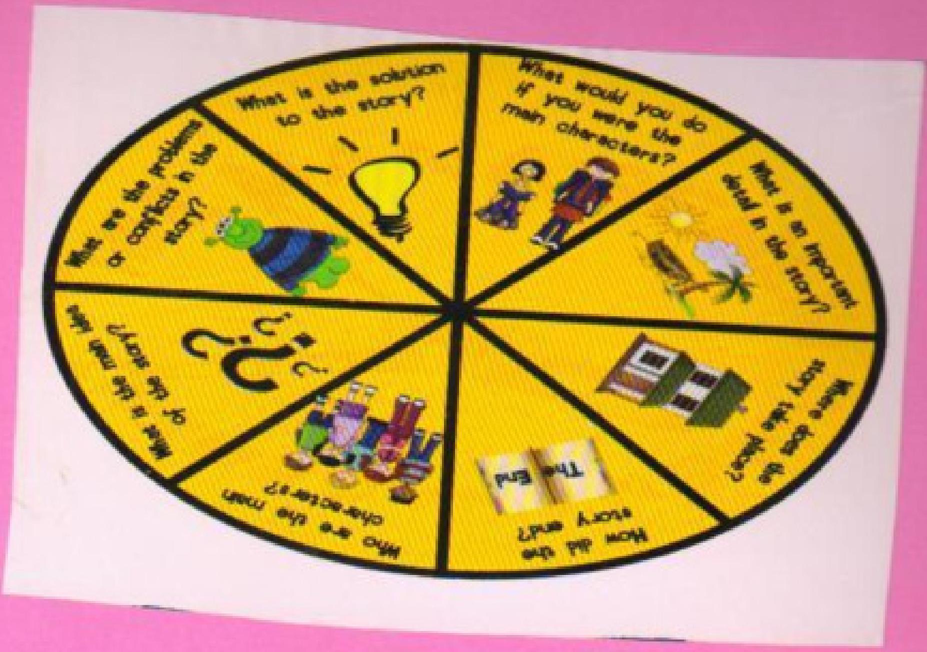
What is the solution to the story?
What would you do if you were the main characters?
What is an important detail in the story?
Where does the story take place?
The End
How did the story end?
Who are the main characters?
What is the main idea of the story?
What are the problems or conflicts in the story?

Topic Date

वार्तालाप के लाभ :-

1. बेहतर समझ
2. बेहतर आत्म विश्वास
3. कार्य स्थल मूल्य
4. बेहतर आत्म देखभाल
5. बेहतर संबंध

वार्तालाप के उद्देश्य :-

1. अधिक आसानी से शब्दो की अभिव्यक्ति विकसित करने के लिए।
2. समस्याओ का निदान व हल करने के लिए।
3. रूचि व आत्मविश्वास बढाने के लिए।
4. संवेगो को अच्छी तरह से अभिव्यक्त करने के लिए।
5. शब्दावली समृद्ध करने के लिए।

वार्तालाप कौशलो को कैसे सुधारे

1- **धीरे से बात :-** अच्छे वक्ता बातचीत मे जल्दी नही करते जब वे किसी बात पर ध्यान लगाते है तो समय लेते है। फिर अपनी बात को जोर से कहते है।

2- **आँखो का सम्पर्क :-** अधिकतर लोग अपनी बातचीत के दो तिहाई समय एक दूसरे से आँखो से देखकर बात करे है। यह बातचीत करने मे आत्म विश्वास और रूचि बनाये रखता है।

Topic ____________ Date ________

तारीफ :- कोई व्यक्ति तारीफ भरे शब्दो का इस्तेमाल करके दूसरे की प्रंशसा करता है। यह बातचीत को प्रभावी और उद्देश्यपूर्ण बनाता है।

भावनाओं की अभिव्यक्ति :- ऐसा व्यक्ति मिलना दुर्लभ है जो अजनबियों के साथ बातचीत मे अपने संवेगो से अभिव्यक्त करता है। बातचीत मे भावनाओ और शामिल करना एक गुण है।

सटीक शब्दो का प्रयोग :- सुचारु रूप मे बातचीत की योग्यता आपकी सटीक भावनाओ और विचारो को सटीक शब्दो का चुनाव करके व्यक्त करने मे सहायक है।

यह लगातार आपकी शब्दावली को विकसित कर आसानी से शब्दो को व्यक्त करने की योग्यता विकसित करती है।

जीवनी रेखाचित्र

जीवन रेखाचित्र एक व्यक्ति के जीवन का विस्तृत वर्णन है यह शिक्षा काम सम्बंधो व मौत आदि तथ्यो से अधिक बातो को शामिल करते है। इसके साथ यह मनुष्य के जीवन भर की घटनाओ के अनुभवो को दर्शाता है। जिसमे उसकी घनिष्टता पहुलाओ और व्यक्तित्व का विश्लेषण शामिल हो सकता है।

आत्मकथा व्यक्ति द्वारा अपने बारे मे स्वंय द्वारा लिखी जाती है।

जीवन रेखाचित्र पढ़ने के उद्देश्य :-

1. एक व्यक्ति या एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व के बारे मे जानकारी इकट्ठा करने के लिए।
2. जीवन मे सबसे महत्त्वपूर्ण सबक प्रदान करने के लिए।
3. जीवन मे संकट को संभालने के लिए अन्तदृष्टि रखने के लिए।
4. दुसरो से प्रेरित होकर कैरियर का चुनाव करने के लिए।
5. यह पाठको को वो सीख देते है जो वे दूसरी जगह नही सीख पाते है।

नाटक :- यह नाटक आमतौर पर छात्रो के बीच संवादो सहित नाटकार द्वारा रचित साहित्य का एक रूप है। जिनका इरादा केवल पढने के बजाय नाट्यकीय प्रदर्शन ज्यादा है।

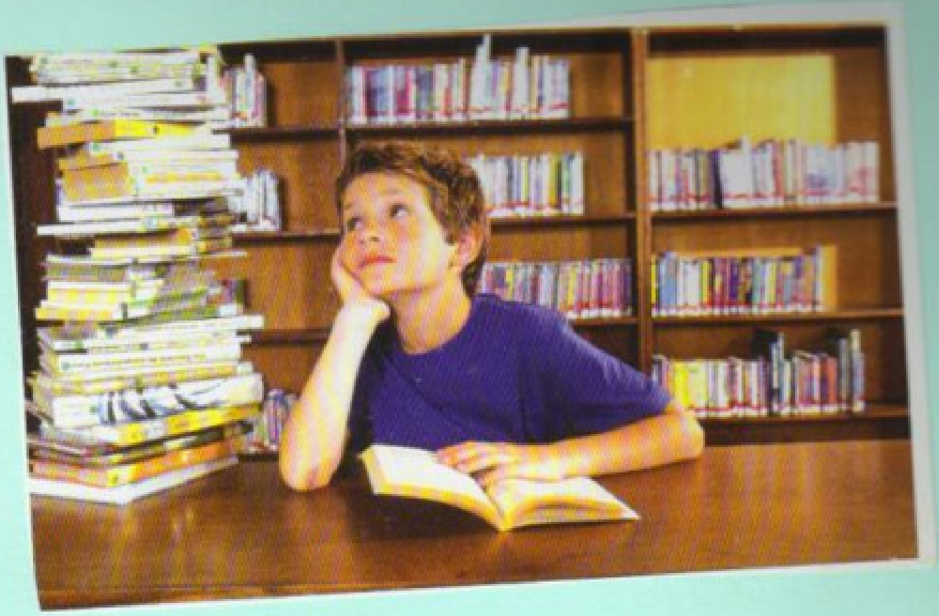

ये विभिन्न स्तरो पर प्रदर्शित हो रहे है। नाटक शब्द का उल्लेख लिखित कार्यो और उनके पूर्ण नाटकीय प्रदर्शन दोनो से सम्बन्धित है।

नाटकीय साहित्य एक छात्र को कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है।

1. **पेन्सिल के साथ पढना** :- नाटक की रोचकता समझने के लिए स्कूलर का मानना है कि पाठक को किसी जनरल या पेज के नोट्स प्रतिक्रियाओ या प्रश्नो को संक्षेप मे लिखना चाहिए।

2. **पात्रों की कल्पना चित्र** :- एक नाटक आमतौर पर विस्तृत वर्णन नही होता है। आमतौर पर मंच पर आने से पहले संक्षेप मे नाटककार उस पात्र का वर्णन कर देते है।

3. **सेटिंग मनन** :- कई क्लासिक नाटक विभिन्न युगो की श्रृंखला मे लिखे गये है। छात्रो को कहानी के समय और जगह सम्बन्धित समझ स्पष्ट होनी चाहिए।

4. **ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि** :-> अगर समय और जगह एक महत्त्व पूर्ण घटक है तो छात्रो को नाटक के ऐतिहासिक विवरणो को पढना चाहिए।

नाटक पढने के उददेश्य :-

1. खुशी और मनोरंजन के लिए।
2. पढने की आदत विकसित करने के लिए।
3. तनाव मे कमी के लिए।
4. स्मृति बढाने के लिए।
5. मानासिक उत्तेजना प्रदान करने के लिए।

कविताएँ

साहित्यिक काम लोगों को सूचना मनोरंजन और प्रेरणा देने के लिए प्रयोजन से बनाये जाते है। ये हमारे पास प्राचीन समय से ही है। कविता अर्थ उत्पन्न करने के लिए भाषा के सौंदर्य और गुणों का उपयोग करती है। इसमे स्वरों की एकता अनुप्रास अभ्निरुन और लय आदि का प्रयोग होता है।

कविता पढना :- अच्छी कविता पढना आंशिक रूप से दृष्टिकोण और आंशिक रूप से तकनीक पर निर्भर है। जिज्ञासा एक उपयोगी दृष्टिकोण है। यहाँ कविता पढने के कुछ सुझाव दिये गये है।

मूल विषय की जाँच :- कविता के शीर्षक विषय और स्थिति प ध्यान से विचार करने की आवश्यकत है।

कविता के रूप का अध्ययन :- पढने वाले को कविता की ध्वनि कविता के उन्दर विभाज की जानकारी जरूरी होती है।

Topic Date

कविता पढने के उद्देश्य :

1) पाठक की कविता को ठीक तरह से पढने मे मदद करने के लिए।
2) पाठक को कविता से निहित विचारो की सुन्दरता समझने के लिए।
3) पाठक की कल्पना शक्ति को सुधारने के लिए।

पत्र : → पत्र किसी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को लिखित संदेश से सूचना देना है। पत्र दो दो दलो के बीच मे संचार के संरक्षण की गारंटी देता है वे मित्रो व रिश्तेदारो को करीब लाते है। व्यवासिक सम्बंधो को और समृद्ध करते है। ये साहित्य के संरक्षक योगदान देते है। जो पढने लिखने की योग्यता है। पत्र तीन तरह के होते है। औपचारिक, निजी और व्यवसायिक।

पत्रो के लाभ :- पत्रो के मेल पर उपयोगिता का वर्णन निम्नलिखित है :

1. एक पत्र को प्राप्त करने के लिए किसी विशेष उपकरण की जरूरत नही होती है।
2. पत्र तत्काल, भौतिक व स्थायी संचार रिकॉर्ड रखता है।
3. हस्ताक्षर सहित पत्र ईमेल की तुलना मे मुश्किल से झूठ किया जा सकता है।

पट कथाएँ :- पटकथाएं एक फिल्म रेडियो गेम या टेलीविजन प्रोग्राम का लिखित रूप है। ये पटकथाएँ असली कार्य भी हो सकते है। या लेखन के मौजूदा कार्य का रूपातरण भी हो सकता है। यह किसी फिल्म का ब्लूप्रिंट होता है। अदाकारी वर्तमान काल मे लिखी जाती है।

पटकथा को पढना :- एक पटकथा केवल पढना नही दोबारा पढना एक रचनात्मक कार्य है। यह पात्रो को भावनात्मक जीवन मे सक्रीय सील पत्ता है एक व्यक्ति दुनिया के पात्रो और उनके अनुभवों को समझने के लिए पढता है। यह मौखिक और श्रवण दोनो मे ही रुचिकर है। जब एक आदमी मन से संसार की कहानी पढता है। और वह उन पात्रो की तरह उसी भावनात्मक रूप मे सोचने लग जाता है।

पटकथा पढ़ना अपने आप मे एक कला है

रचनात्मक व प्रभावी ढंग से पढने के लिए आपको जो कुछ कहानी मे भौतिक बौद्धिक और भावनात्मक रूप मे घटित हो रहा है। उसको सुनना और देखना है। अपने सबसे अच्छे रूप मे एक अच्छी तरह से अन्त: क्रियात्मक अनुभव है। जिसमे पाठक या श्रोतागण पात्रो के साथ एक गतिशील व विकसित हो रहे संबध दर्शाती है।

रिपोर्ट :→ एक रिपोर्ट एक सूचनाप्रद कार्य है जो व्यापक रूप से सामने आने वाली कुछ घटनाओ के वर्णन करने के लिए विशेष इरादे से बनाई जाती है रिपोर्ट मे अक्सर लेखन या भाषण मे वयक्त की जाती है ये सूचनाओ का भंडार होती है। जिनका उपयोग निर्णय लेने किये जाते है। ये सरकार व्यापार शिक्षा विज्ञान और दूसरे क्षेत्रो मे किसी प्रयोग जांच या खोज के परिणामो को दर्शाने मे प्रयुक्त होती है।

यह तीन प्रमुख कारको पर निर्भर करता है। रिपोर्ट के श्रोतागण रिपोर्ट के उद्देश्य और संप्रेषित की जानी वाली सूचना।

एक रिपोर्ट पढ़ते समय याद रखने वाले मुख्य बिन्दु :

1) रिपोर्ट की संरचना
2) लेखन शैली
3) सन्दर्भ सूची
4) चित्रण पद्धति
5) प्रासागिक सामग्री
6) अभिव्यक्ति
7) परिणाम

रिपोर्ट पढने के उद्देश्य :

1. अच्छी समझ के लिए सामग्री को उचित शीषको मे विभाजित करना।

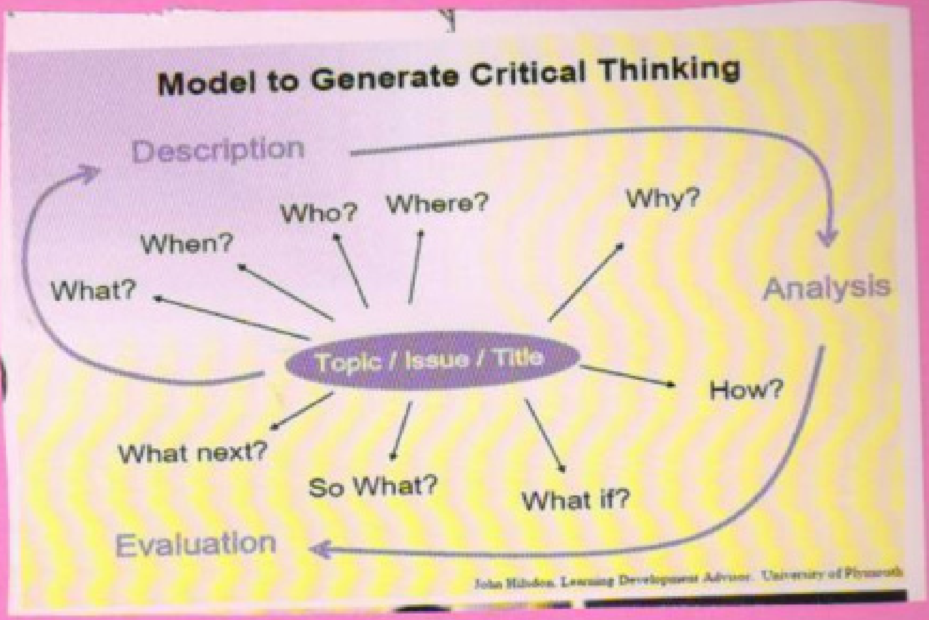

Model to Generate Critical Thinking

Description

Who? Where?

When?

What?

Why?

Analysis

Topic / Issue / Title

How?

What next?

So What?

What if?

Evaluation

John Hilsdon, Learning Development Advisor, University of Plymouth

Topic Date

2- पाठको मे निष्कर्ष को वयक्त करना।

3- पाठको को निष्कर्ष निकालने योग्य बनाता है।

4- अपने विचारो को स्पष्ट तरीके से वयक्त करने मे सक्षम बनाना।

समाचार रिपोर्ट :-

यह वर्तमान घटनाओ का ब्योरा है। यह अलग -अलग माध्यमो मौखिक लिखित डाकिया माध्यम प्रसारण और इलेक्ट्रानिक संचार द्वारा चलाई जाती है समाचार रिपोर्ट के लिए आम विषयो मे युद्ध राजनीति व कारोबार खेलकूद प्रीतियोगिता घटनाएँ तथा मशहूर हस्तियों के काम इत्यादि शामिल होते है।

तकनीक और सामाजिक विकास ने समाचार के फैलने की गति और सामग्री को प्रभावित किया है।

समाचार रिपोर्ट को पढना :-

समाचार रिपोर्ट पढना एक अच्छी आदत है। जो अच्छी तरह क्षैतिज मूल्य प्रदान करती है। यह राजनीति अर्थव्यवस्था मनोरंजन खेल व्यापार उपयोग विकास के बारे मे जानकारी देता है। यह दुनिया की खबर देता है। इसे पढकर आवश्यकता आप देश ही नही अपितु विदेशो की वर्तमान घटनाओ से अपघटन हो जाते है।

यह एक देश की आर्थिक स्थिति खेलकूद मनोरंजन व्यापार और वाणिज्य आदि की खबरें प्रदान करता हैं।

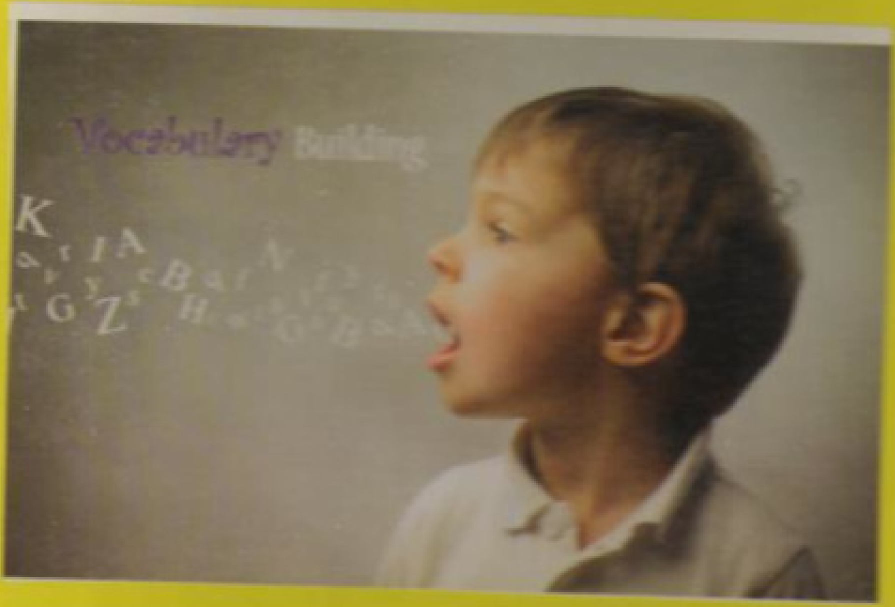
Vocabulary Building

Topic Date

गहन अध्ययन

पाठ्य सामग्री का चुनाव और पहचान

एक अच्छी तरह से डिजाइन पाठ मुख्य विचारो को संग्रहित मुख्य संकल्पना का वर्णन करने मुख्य विवरण दर्शाने व जानकारी का समर्थन करने के लिए विभिन्न तरह के ग्राफिकल व पाठ्य विशेषताओ का प्रयोग करते है। वो पाठ को समझने व पाठ्य सामग्री पर ध्यान लगाने मे कम ऊर्जा लगाते है।

इस योजना के तहत छात्र पाठ की जांच करने विश्लेषण करने के लिए सामान्य से परे जाकर सीखने के लिए ये सुविधाएं कैसे उपयोगी होती है। समाचारपत्र लर्निंग माड्यूल ई लर्निंग और अधिक डिसक्यूस कर सकते है।

गहन अध्ययन और पाठ के चिंतन के उद्देश्य

1) छात्रो को कक्षा मे प्रयुक्त पाठ की मुख्य विशेषताओ की जानकारी देना।

2) उन्हे ज्यादा दक्षता से सूचना ढूंढने व उनके प्रयोग के योग्य बनाना।

3) पाठकों को लम्बे पाठो से पाठ्य पद्धति की पहचान करने योग्य बनाना।

4) छात्रों को पाठ्य सामग्री को जाँचने योग्य बनाना।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

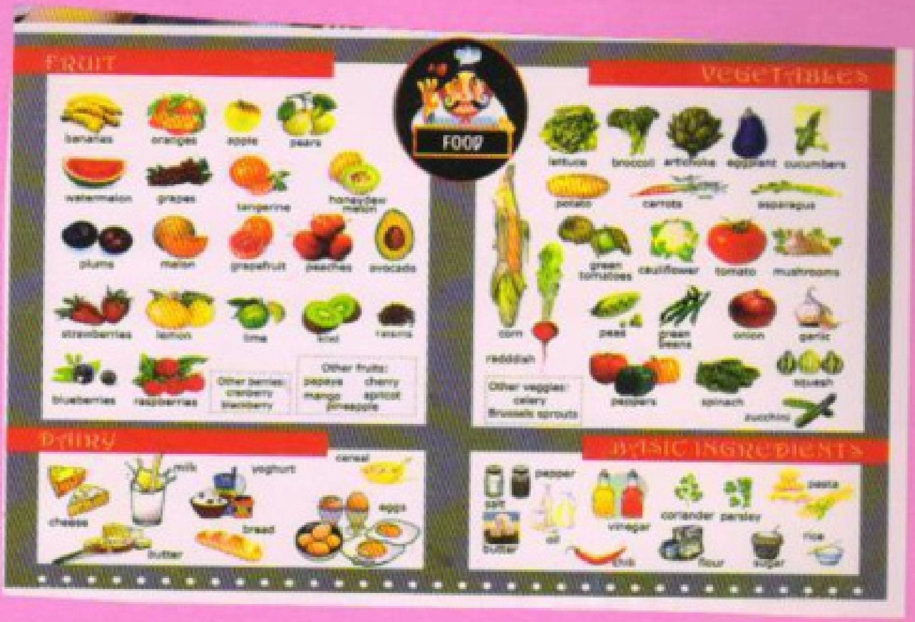
FRUIT
FOOD
bananas
oranges
apple
pears
watermelon
grapes
tangerine
honeydew melon
plums
melon
grapefruit
peaches
avocado
strawberries
lemon
lime
kiwi
raisins
blueberries
raspberries
Other berries: cranberry blackberry
Other fruits: papaya cherry mango apricot pineapple
VEGETABLES
lettuce
broccoli
artichoke
eggplant
cucumbers
potato
carrots
asparagus
green tomatoes
cauliflower
tomato
mushrooms
corn
peas
green beans
onion
garlic
redddish
peppers
spinach
squash
zucchini
Other veggies: celery Brussels sprouts
DAIRY
milk
yoghurt
cereal
cheese
eggs
bread
butter
BASIC INGREDIENTS
pepper
salt
butter
oil
vinegar
coriander
parsley
pasta
chili
flour
sugar
rice

Topic ____ Date ____

समीक्षात्मक पठन की प्रक्रिया को समझना

समीक्षात्मक पठन यह एक विश्लेषणात्मक गतिविधि है। पाठक एक पाठ के तत्वो की जानकारी मूल्यो मान्यताओ और भाषाओ उपयोग को जानने के लिए बार बार पढता है।

समीक्षात्मक पठन भाषा विश्लेषण का एक रूप है जो पाठ की अंकित मूल्य को ग्रहण नही करता अपितु इसका गहन कार्य को ध्यान मे रखता है। दोबारा व्याख्या और संगठित करसे की योग्यता बेहतर संगठित करने योग्यता बेहतर स्पष्टता व पठनीयता इसके घटक है। इसके अलावा खामियों की पहचान लेखक के तर्क मे कमी अच्छी तरह से सम्बोधन करने की योग्यता इस प्रक्रिया आवश्यक तत्व है।

समीक्षात्मक पठन के उद्देश्य ÷→

1) छात्रो को लेखक का उद्देश्य समझने योग्य बनाना।

2) उन्हे अलग अलग पाठो को पढने व अनुक्रिया करने योग्य बताना।

3) उन्हे पाठ की लक्ष्य और प्रभावकारी तत्वो की जानकारि देना।

4) छात्रों को लेखको के संवेदो विचारो व निष्कर्ष को अपनाने या मना करने की क्षमता विकसित करना।

5) उन्हे लिखित या मौखिक पाठ्य सामग्री को और चिंतन करने योग्य बनाना।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

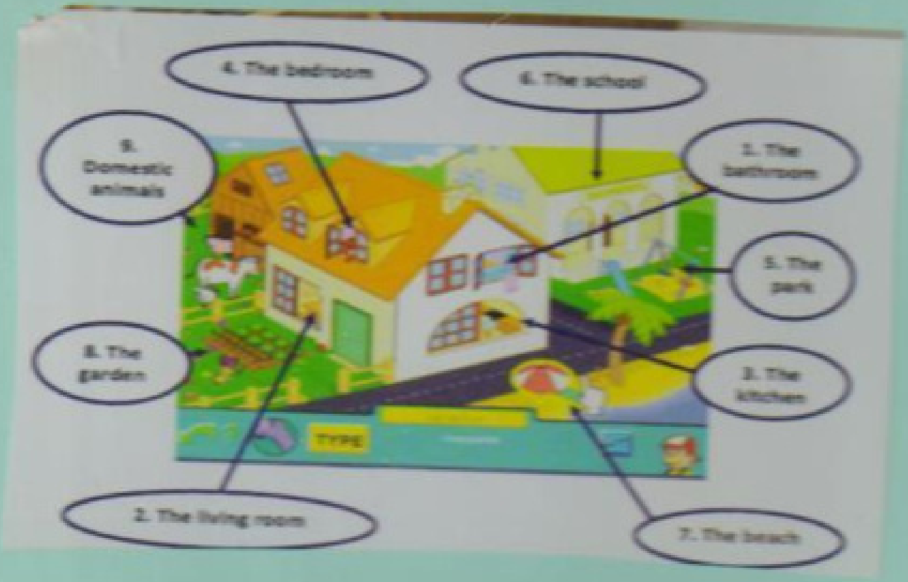
4. The bedroom
6. The school
9. Domestic animals
1. The bathroom
5. The park
8. The garden
3. The kitchen
2. The living room
7. The beach

समीक्षात्मक पढने की प्रक्रिया ÷

लेखको के दर्शन बनने की तैयारी ÷ लेखक विशेष दर्शको के लिए पाठ तैयार करता है लक्षित दर्शक बनने से लेखक के उद्देश्य की जानकारी आसानी से हो।

खुले मन से पढने के लिए तैयार होना :– समीक्षात्मक पाठ का ज्ञान की खोज मे रहते है वे अपने व्यक्तित्व के अनुरूप कार्य को दोबारा नही लिखते।

शीर्षक पर विचार करना ÷ यह स्पष्ट तौर पर प्रतीत होता है कि एक शीर्षक लेखक की दृष्टिकोण लक्ष्य व्यक्तिगत सोच और उपागम को दर्शाता है।

धीरे से पढना :– गहन अध्ययन का यह महत्त्वपूर्ण है कि जितना धीरे पढोगे उतनी ही ज्यादा पाठ की समझ विकसित होगी।

उचित संदर्भों का उपयोग करना :– अगर कोई शब्द स्पष्ट नही है तो पाठक किसी आत्म प्रासंगिक संदर्भ या शब्दकोष की सहायता लेनी चाहिए। हरेक शब्द महत्त्वपूर्ण है।

नोट्स बनाना :– पाठ के मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित हाईलाइट करके नोट बुक मे लिखना चाहिए नोट्स बनाना समीक्षात्मक प्रक्रिया का महत्त्वपूर्ण भाग है।

पठन के तरीके :- पढ़ने से पहले व पढ़ने के बाद

पढना लिखित व ग्राफिक पाठ को समझने की साहित्य सीख्या प्रक्रिया है यह एक सोचने की प्रक्रिया है। प्रभावी पाठक जानते है उन्होने क्या पढा है। उसका क्या अर्थ है वे अपनी समझ का निरीक्षण रखते है। जब वे पाठ्य सामग्री का अर्थ भूल जाते है। तो दोबारा अर्थ जानने की योजनना बनाते है।

पढने से पूर्व :-

पूर्व कथन का उद्देश्य ज्ञान की पृष्ठ भूमि का निर्माण करना है। अध्यापक जो कुछ छात्र किसी संप्रत्यय के बारे मे जानते है जो कुछ उन्हे सीखना है। पूर्व पठन कार्य का उद्देश्य अधिगम कर्त्ताओ को सीखने की सामग्री का चयन करता है। ज्ञान की पृष्ठ भूमि तैयार करना है। सहायता से वह बाद मे साथ अन्त क्रिया कर सकें।

इन कार्यो के माध्यम से अध्यापक छात्रो को सामने आने वाली पठन सामग्री की सम्बन्धित अर्थ पूर्ण जानकरी देना है।

पूर्व पठन के उद्देश्य :-

1- छात्रो को अपने पूर्वज्ञान के आधर पर विषय के बारे मे सोचने योग्य बनाना।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

DO NOT
DISTURB
WRITER
AT
WORK

2) उन्हें पाठ के सम्भावित अर्थ की कल्पना करने मे सक्षम बनाना।

3) उन्हें पाठ के सम्पूर्ण अर्थ को समझने योग्य बनाना।

पढ़ने के बाद :-

ये कार्य पठन कार्य मे अर्जित ज्ञान को विस्तृत करने व जाँचने के उद्देश्य से आयोजित किये जाते है। इसमे सीखने वाले प्रस्तुत पठन मे सम्बन्धित विषयों पर बहसकर उसका विश्लेषण करते है।

पढ़ने के बाद के उद्देश्य :-

1. पाठकों को पाठ की सूचना और विचारों पर मनन करने योग्य बनाना।

2. उन्हें अपने अनुभवों और ज्ञान को सम्बन्धित करने योग्य बनाना।

3. उन्हें पाठ की स्पष्ट समझ विकसित करने योग्य बनाना।

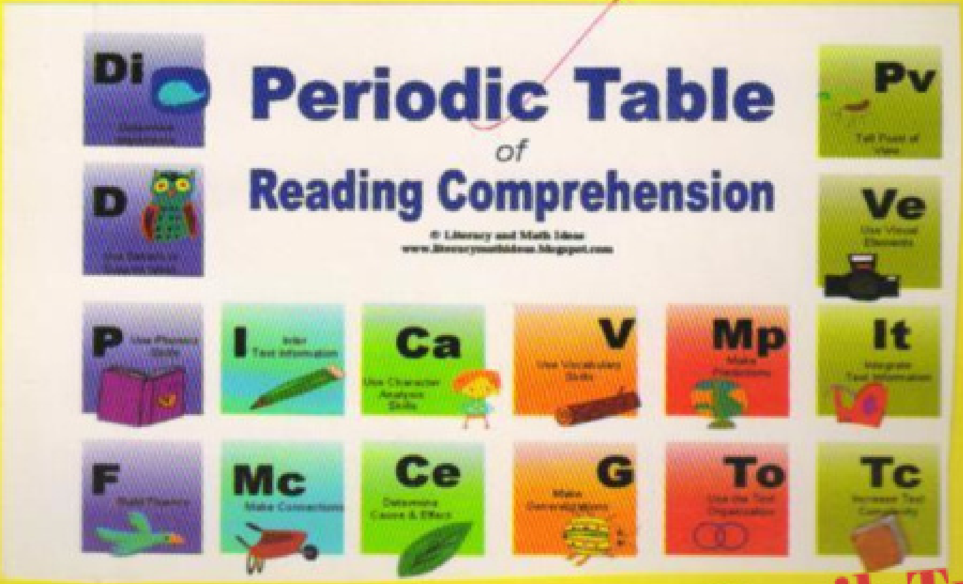

Periodic Table
of
Reading Comprehension

© Literacy and Math Ideas
www.literacymathideas.blogspot.com

Di
D
Pv
Tell Point of View
Ve
Use Visual Elements
P
Use Phonics Skills
I
Infer Text Information
Ca
Use Character Analysis Skills
V
Use Vocabulary Skills
Mp
Make Predictions
It
Integrate Text Information
F
Build Fluency
Mc
Make Connections
Ce
Determine Cause & Effect
G
Make Generalizations
To
Use the Text Organization
Tc
Increase Text Complexity

Topic ______ Date ______

UNIT - II

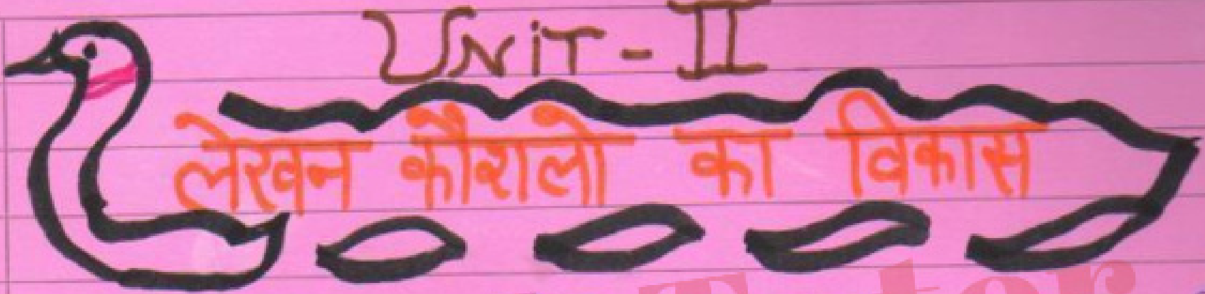

लेखन कौशलो का विकास

लेखन भाषा की महत्वपूर्ण मे से एक है जो हमारे जीवन मे महत्वपूर्ण है। लेखन के माध्यम से हम दूसरो को सूचित कर सकते है। लेन [illegible] सकते है। समझा सकते है गुस्सा कर सकते है। उसे वता सकते है। कि दूसरी भाषा सीखने मे केवल लिखने से काम नही चलता चारो भाषाई कौशल सीखने मे जारिल है। एक लेखक लिखित भाषा का प्रयोग करके एक विचार या संदेश देने योग्य हो जाता है।

लेखन के मूलभूत उद्देश्य :→

लेखन के सामान्य उद्देश्य वर्णन करना सुनना वेनकाब करना मनाना, समझना और दर्शको का मनोरंजन करना है।

कथन : ये लेखन का सबसे आसान तरीका है। क्योकि यह स्वभाविक तौर पर आता है। व्यवहारिक रूप से हर कोई कहानी कहना और सुनना पसंद करता है। ये आमतौर पर ऐतिहासिक होती है।

विवरण : यह तस्वीर को शब्दो सहित बनाने की एक प्रीक्रया है। जब हम शब्दो का प्रयोग करते है तो

तो हम देखते है। उससे ज्यादा उसका वर्णन करते है।

प्रदर्शनी :→ यह लेखन का वह रूप है जो व्याख्या करता है या सूचित करता है। यह लेखन का व्यवहारिक रूप है। ये विश्वकोष समाचार रिपोर्ट अनुदेशन निर्देशिका सूचना पद निबंध और पत्र शामिल करता है।

अनुनय :→ ये लेखन कार्य पाठक को किसी विशेष स्थिति या राय को समझने के लिए प्रेरित करता है। प्रेरक लेखन कई मायनो मे मुश्किल है क्योकि इसे अच्छी तरह लिखने के लिए विषय का ज्ञान मजबूत तार्किक सोच व तकनीकी कौशल की आवश्यकता है।

विशिष्ट उद्देश्य और विशिष्ट दर्शको के लिए लेखन :

लेखक के विशिष्ट उद्देश्य लेखन मे सामान्य प्रयोजनो से परे लिखने की दिशा प्रदान करता है। विशिष्ट उद्देश्यो प्रयोजनो पर निर्भर रहता है।

आप दर्शको को क्या सूचित कर रहे है

आप दर्शको को क्या समझाने का प्रयास कर रहे है।

आपका ध्यान किस ओर है।

विशिष्ट दर्शको के लिए लेखन :-

एक बार आपने अपने दर्शको की पहचान कर ली और उन्हे आकर्षित करने का सबसे उपयुक्त तरीका सोच लिया तो ये आपको एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण सूची बनाने के लिए उपयोगी होगी।

आपके दर्शक कौन है।
आपके दर्शक पहले से ही क्या जानते है।
वो क्या जानते है।
वे क्या जानना चाहते है।

आपके दर्शको को जानना आपकी सूचना देने संबंध मे मे सहायक होगा। आपके द्वारा प्रस्तुत सामग्री को समझने और संगठित करने मे मदद करेगा। यह दस्तावेजो की लय और संरचना को प्रभावित करता है।

विशिष्ट दर्शको के लिए लिखने मे हमे विशिष्ट उद्देश्यो का चयन करना पड़ता है। प्रभावी लेखन के लिए हमे निम्नलिखित बिन्दुओ पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

लेखको व पाठक के बीच क्या संबंध है।

यदि आपका अपने पाठको का अधिकार है। उस पर आप रोजगार मेमो लिखरहे हो, तो आपके स्वर

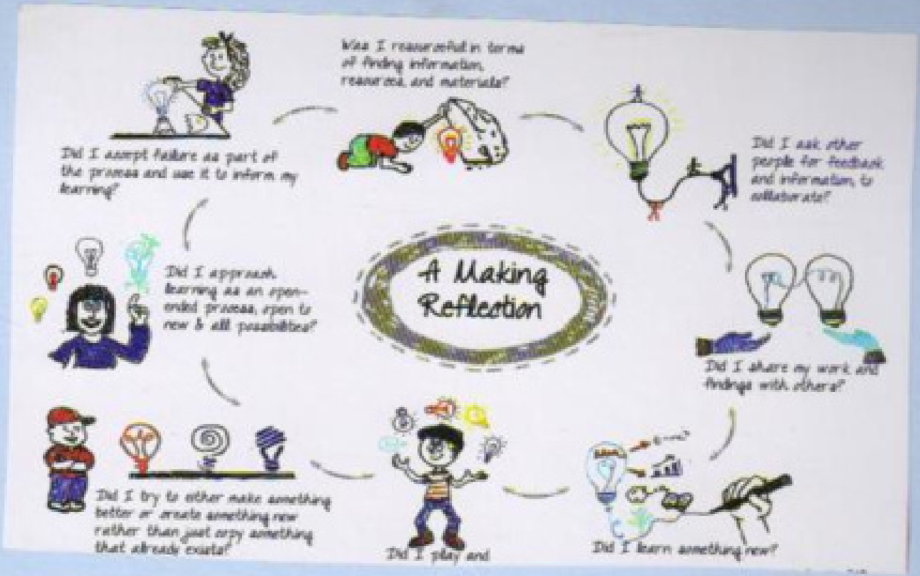
A Making Reflection
Was I resourceful in terms of finding information, resources, and materials?
Did I ask other people for feedback and information, to collaborate?
Did I share my work and findings with others?
Did I learn something new?
Did I play and
Did I try to either make something better or create something new rather than just copy something that already exists?
Did I approach learning as an open-ended process, open to new & all possibilities?
Did I accept failure as part of the process and use it to inform my learning?

अधिक शिक्षा प्रद और और प्रामाणिक होगे। आप यहाँ सुझाव देगे न कि निर्देश। पाठको के लिए हमेशा विन्रम व सम्मान रखना चाहिए।

पाठक कितना जानता है ?

पाठक का ज्ञान आपसे अधिक है या कम। क्या वे विशेष शब्दावली से परिचित है या उन्हे इनका ज्ञान देने की जरूरत है। उन्हे विषय की पृष्ठभूमि का ज्ञान है और आपको ये भी ध्यान मे रखने की जरूरत है कि आपका पाठक पहले से ही क्या जानता है।

क्या दर्शक आपसे सहमत होगा या असहमत :-

यह सोचना लेखन से पहले महत्त्वपूर्ण है। क्योकि आप पाठको को आकर्षित करने के तरीको से लिखू सकते है। कभी कभी आपके दर्शक आपसे सहमत है। तो आप उपयोगी निर्माणकारी दृष्टिकोण अपनाते है ताकि एक उपयोगी नतीजा निकले। परन्तु आपको चापलूसी व अत्याधिक प्रंशसा से बचने की कोशिश करनी चाहिए। नजरिये मे बदलाव किस प्रकार लाभकारी है।

पाठक जानकारी का क्या करेगें :-

क्या पाठक एक निर्णय लेगा या आपके द्वारा प्रदत्त जानकारी के आधार पर कार्य करेगा।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/
PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

I ♥ Creative Writing

अगर ऐसा है तो आपको एक अच्छा निर्णय लेने या कार्य करने के लिए सभी आवश्यक जानकारियां शामिल करनी होगी।

ये सारी बात ध्यान मे रखकर आप आसानी से लिख सकते है। जो पाठको के लिए अति महत्त्वपूर्ण होगा।

लेखन प्रक्रिया : कक्षा का अनुभव

① **तैयारी** :→ पहले छात्र पाठ पढते है। फिर पता लगाना है कि छात्र क्या लिखना चाहते है। मस्तिष्क तूफान और डूडल कहानी का चरम बिन्दु का पता लगा रहे है।

② **संगठन** :→ छात्रो के विचारो को संगठित करके उनके क्रम मे लगाना चाहिए जहाँ छात्र अपने विचार वयक्त कर सके।

③ **लेखन** :→ छात्रो के विचारो को क्रम सहित प्रतीलिपी के साथ लिखो।

④ **संशोधन** :→ छात्रो की कहानी मे विराम चिह्न, वर्णन व्याकरण इत्यादि देखकर जांच करो।

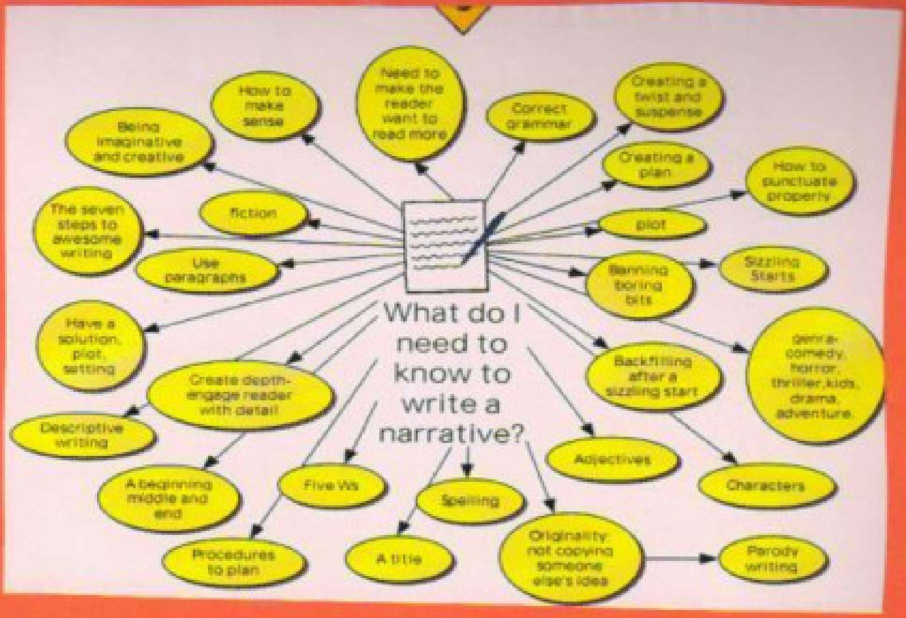
What do I need to know to write a narrative?
Being imaginative and creative
How to make sense
Need to make the reader want to read more
Correct grammar
Creating a twist and suspense
Creating a plan
How to punctuate properly
The seven steps to awesome writing
fiction
plot
Use paragraphs
Banning boring bits
Sizzling Starts
Have a solution, plot, setting
genra- comedy, horror, thriller, kids, drama, adventure
Backfilling after a sizzling start
Create depth- engage reader with detail
Descriptive writing
Adjectives
Characters
A beginning middle and end
Five Ws
Spelling
Procedures to plan
A title
Originality: not copying someone else's idea
Parody writing

पुन : लेखन ÷ संशोधन के बाद उनकी कहानी को दोबारा लिखो। यह फाइनल प्रतिलिपी है। इसलिए इसे साफ व सुन्दर बनाओ।

साझाकरण या सहयोग छात्रो की कहानी किसी और के साथ साझां करे। और देखो वे इसे कैसे प्रसंद करते है।

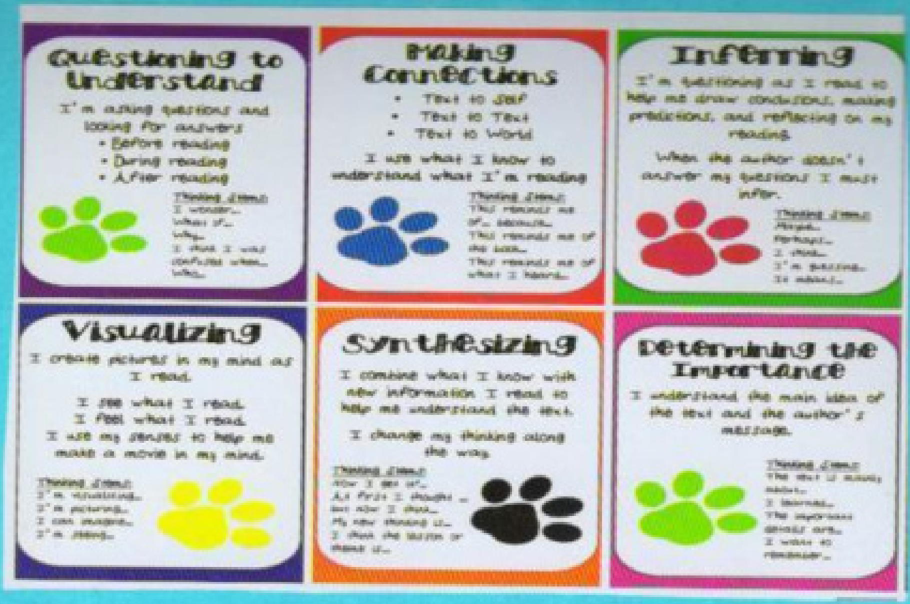

Questioning to Understand

I'm asking questions and looking for answers
- Before reading
- During reading
- After reading

Thinking Stems:
I wonder...
What if...
Why...
I think I was confused when...
Who...

Making Connections

- Text to Self
- Text to Text
- Text to World

I use what I know to understand what I'm reading

Thinking Stems:
This reminds me of... because...
This reminds me of the book...
This reminds me of what I heard...

Inferring

I'm questioning as I read to help me draw conclusions, making predictions, and reflecting on my reading.

When the author doesn't answer my questions I must infer.

Thinking Stems:
Maybe...
Perhaps...
I think...
I'm guessing...
It means...

Visualizing

I create pictures in my mind as I read.

I see what I read.
I feel what I read.
I use my senses to help me make a movie in my mind.

Thinking Stems:
I'm visualizing...
I'm picturing...
I can imagine...
I'm seeing...

Synthesizing

I combine what I know with new information I read to help me understand the text.

I change my thinking along the way.

Thinking Stems:
Now I get it...
At first I thought... but now I think...
My new thinking is...
I think the lesson or theme is...

Determining the Importance

I understand the main idea of the text and the author's message.

Thinking Stems:
The text is mostly about...
I learned...
The important details are...
I want to remember...

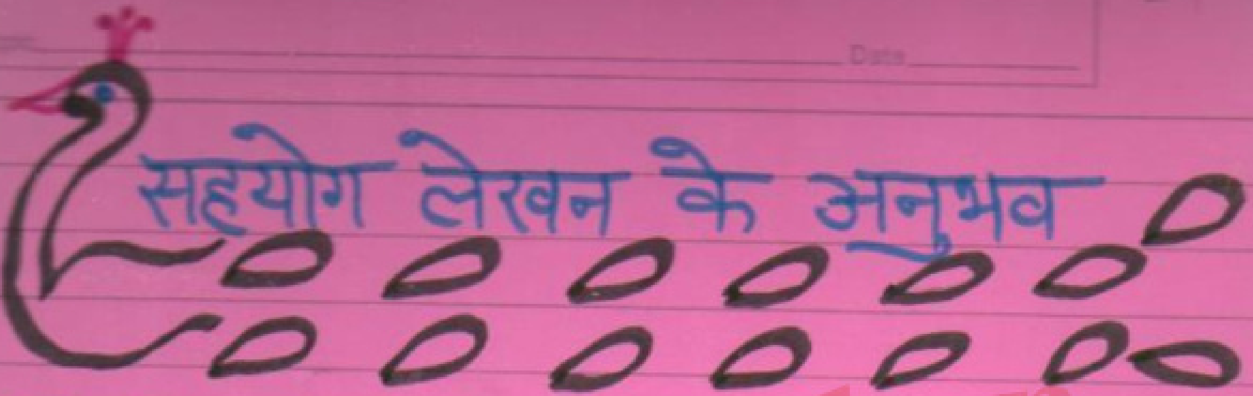

सहयोग लेखन के अनुभव

सहयोगी लेखन मे दो या दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा मिलकर एक लिखित दस्तावेज लिखना शामिल है। यह लेखन का महत्वपूर्ण घटक है।

यह विभिन्न योजनाओ पर काम करने का कई करणों से अच्छा तरीका है। यह छात्रों को आसानी लेखन कौशल विकसित करने का तरीका है।

सामूहिक | संहयोगात्मक लेखन के लाभ :-

सभी को लेखन मे शामिल होने के बराबर व तत्काल भावना।

लेखक अधिक निबंध है। विभिन्न भाग सभी एक सम्पूर्ण को पूरा करने के लिए साथ मे फिट हो जाते है।

समूह मे एक व्यक्ति अपना रोल अदाकर अधिक जिम्मेदारी के भाव दर्शाता है। क्योंकि सभी सदस्य एक ही समय व स्थान पर काम करता है।

प्रत्येक समूह सदस्यों, दूसरों के कार्य की नकल किये बिना योगदान दे सकते है।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

सामूहिक |सहयोगात्मक लेखक के नुकसान :→

1. समूह मे कड़ी मेहनत करने वालो को अन्य की अपेक्षा समान योगदान करने का मान मिलेगा।

2. कुछ सदस्यो को ऐसा लगता है कि वे अधिक सशक्त सदस्यो द्वारा दबाये जा रहे है।

3. यहाँ समय और जगह का तालमेल बिठाना मुश्किल होता है।

4. यहाँ ज्यादा बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने मे अधिक समय लगता है।

5. यह भागों मे किया गया काम है। इस तरह पूरी परियोजना असम्बद्ध व असमान लग सकती है।

6. प्रभावी सहयोगात्मक लेखन के लिए ध्यान मे रखे जाने वाले बिन्दु :

1) यह सुनिश्चित करें कि आपके समूह सहयोगी चर्चा मे एक साथ शामिल है।

2) कार्य करते समय सभी सदस्यों को अच्छे समूह के नियमों का पालन करना चाहिए।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

Improve your English speaking

Advice

लेखन सपादंन

संपादन की प्रक्रिया लिखित दृश्य श्रव्य और सूचना संप्रेषित करने वाली फिल्म मीडिया की तैयारी और चयन करने से सम्बन्धित है। इस प्रक्रिया मे सुधार सप्रेक्षण संगठन और दूसरे अन्य सुधार भी शामिल है। जिनका उद्देश्य एक सही गलत संगत सटीक और पूर्ण काम करना है। संशोधन प्रक्रिया अक्सर लेखक के अपने विचार से शुरु होती है। और लेखक व सम्पादक के बीच कार्य पूरा होने तक सहयोग जारी रहता है।

ऐसे मे संपादन रचनात्मक कौशल मानव संसाधन और विधियों का एक संक्षिप्त स्नेह शामिल करता है।

संपादन / संशोधन के उपयोग :-

1. यह लेखन गुणवत्ता मे सुधार लाता है।
2. यह स्पष्टता, पठनीयता व संगठन मे सुधार करता है
3. यह संक्षिप्त सशक्त और कमी रहित पाठ तैयार करता है।
4. यह जटिल विचारो को स्पष्ट संचारित करता है।
5. यह नवीनता और महत्तव पर जोर देती है।

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

PupilsTutor https://www.pupilstutor.com/

POEM RECITATION CONTEST

Topic________________ Date________

6. यह लिखने का तनाव कम कर देती है।
7. यह शैली व व्याकरण पर खर्च समय को बचाता है
8. यह समय व तनाव और ऊर्जा मे कमी लाता है।
9. इसमे स्वीकृति की सम्भावना बढ़ जाती है।
10. यह दोहराई की मांग को कम कर देता है।

* * *